राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

महारानी अवन्ती बाई लोधा की विशाल प्रतिमा का अनावरण

महापुरूषों को जाति की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता
—राज्यपाल

जयपुर, 21 फरवरी। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा कि महापुरूषों एवं वीरांगनाओं को देशकाल एवं जाति की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। वे सम्पूर्ण राष्ट्र की धरोहर हैं। महारानी अवन्ती बाई लोधा जैसी वीरांगनाओं ने विदेशी आक्रांताओं से लड़ाई लड़ी। यही वजह है कि इस देश की आत्मा को कोई विदेशी आक्रांता गुलाम नहीं बना सका।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह बुधवार को झालावाड़ जिले के मनोहरथाना में महारानी अवन्ती बाई लोधा की विशाल प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित विशाल आमसभा को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में मंगल पाण्डे, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई और महारानी अवन्ती बाई जैसे कई वीरों एवं वीरांगनाओं ने त्याग और बलिदान की मिसाल पेश की। ऐसे व्यक्तित्वों से हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने अतीत, अपने महापुरूषों और वीरांगनाओं को भूल जाता है वह समाज पिछड़ जाता है।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे के कुशल नेतृत्व की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और कहा कि श्रीमती राजे ने पिछड़े क्षेत्रों तथा उपेक्षित एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काफी कुछ किया है। वे प्रदेश की सशक्त एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री सिद्ध हुई हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को हाथ उठाकर संकल्प दिलाया कि वे अपने गांव को नशा मुक्त एवं गंदगी मुक्त बनायेंगे।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह और मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने महारानी अवन्ती बाई लोधा की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने समाज द्वारा बनाये जा रहे छात्रावास में एक कमरे के निर्माण के लिए अपने वैवेकिक अनुदान कोष से 10 लाख रूपये देने की घोषणा की।

————

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल